एक नजर में

विवाद में दोस्त की हत्या करने वाले को उम्रकैद

इंदौर. दोस्ती के रिश्ते को खून से रंगने वाले युवक को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है. न्यू पलड़िया निवासी प्रवीण अग्रवाल को अपर सत्र न्यायाधीश सोनल पटेल की अदालत ने अपने ही दोस्त हरिराम की हत्या के मामले में आजीवन कारावास और पांच हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है. यह वारदात 16 नवंबर 2022 को एमजी रोड थाना क्षेत्र स्थित लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय के पास पुराने बोर्ड ऑफिस के खंडहरनुमा रेस्ट हाउस में हुई थी. पुलिस को वहां एक अज्ञात युवक की अधजली लाश मिली थी, जिसकी शिनाख्त बाद में हरिराम के रूप में हुई. जांच के दौरान सामने आया कि हरिराम और आरोपी प्रवीण पुराने दोस्त थे. दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद प्रवीण ने उसके सिर पर बल्ला से वार कर उसकी हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश किया. अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक अजय मिमरोट ने सशक्त पैरवी की. हालांकि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि आरोपी ने हत्या के बाद शव को चादर में लपेटकर जलाने की कोशिश की थी, इसलिए साक्ष्य मिटाने का आरोप सिद्ध नहीं हो सका. मगर हत्या का आरोप प्रमाणित होने पर अदालत ने आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई, जिससे पीड़ित पक्ष को न्याय मिला है.

रैपिडो चालक को बंदूक दिखाकर बाइक ले उड़े बदमाश

इंदौर. शहर में एक रैपिडो बाइक चालक के साथ लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है. आरोप है कि तीन युवकों ने राइड बुक कर उसे सुनसान इलाके में बुलाया और बंदूक की नोक पर उसकी बाइक लेकर फरार हो गए. पीड़ित चालक ने घटना की जानकारी तेजाजीनगर थाना पुलिस को दी है, हालांकि अभी तक मामला दर्ज नहीं हुआ है. सोमवार रात एक युवक ने रैपिडो एप से तेजाजीनगर से राइड बुक की. जब चालक तय स्थान पर पहुंचा, तो वहां तीन युवक बाइक पर सवार हो गए और नायता मुंडला चलने को कहा. आगे रास्ते में उन्होंने चालक से कुछ दूरी और चलने का आग्रह किया. जब बाइक सुनसान इलाके में पहुंची, तो आरोपियों ने रुकवाकर अचानक बंदूक निकाल ली और चालक को डराकर बाइक ले भागे. डर के मारे चालक मौके से भागकर सीधे थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी. बताया जा रहा है कि आरोपी नायता मुंडला और तेजाजीनगर के बीच के इलाके में वारदात को अंजाम देकर फरार हुए हैं. पीड़ित चालक ने घटना का विवरण सोशल मीडिया पर भी साझा किया है, जिससे मामला तेजी से वायरल हो गया. मामले में तेजाजी नगर पुलिस जांच कर रही है.

अगरबत्ती फैक्ट्री में आग, माल और मशीनें खाक

इंदौर. एमओजी लाइन इलाके में शुक्रवार सुबह एक अगरबत्ती बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में वहां रखा तैयार माल और मशीनें जलकर खाक हो गईं. घटना के दौरान आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि फैक्ट्री से सटी हुई घनी बस्ती और लकड़ी के गोदाम मौजूद थे. हालांकि समय पर आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया. आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है.

निर्माणाधीन मकान में करंट लगने से युवक की मौत

इंदौर. तुकोगंज थाना क्षेत्र स्थित अमर टेकरी में निर्माणाधीन मकान पर काम करते समय एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई. मृतक की पहचान बिट्टू विजय घावरी के रूप में हुई है. तुकोगंज थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार अमर टेकरी में एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था, जहां बिट्टू कार्यरत था. काम के दौरान बिजली के करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया. मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिलहाल तुकोगंज पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है. थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला लापरवाही से करंट लगने का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है. पोर्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के बाद ही मामले में कुछ कहा जा सकता है.

ससुराल में युवक ने लगाई फांसी

इंदौर. शहर में आत्महत्या की दो अलग-अलग घटनाओं से सनसनी फैल गई. मानवता नगर निवासी 30 वर्षीय गुड्डू ने राजेंद्र नगर स्थित ससुराल में फांसी लगाकर जान दे दी. करीब सात साल पहले उसकी शादी हुई थी और उसके दो छोटे बच्चे भी हैं. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया. पुलिस ने मामला जांच में लिया है. वहीं दूसरी घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र के भागीरथपुरा इलाके की है, जहां आयुष पिता राजेश ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. दोनों ही मामलों में आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है. पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा ह

सुब्रतो फुटबॉल अंडर 17 बालक वर्ग प्रतियोगिता का समापन

महू. मेडिकैप्स इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित चार दिवसीय सुब्रतो फुटबॉल अंडर 17 (बालक वर्ग) प्रतियोगिता का समापन किया गया जिसमें प्रतियोगिता के चौथे दिन दो सेमी फाइनल पहला मैच इंदौर पब्लिक स्कूल विरुद् एमराल्ड हाईट्स के मध्य खेला गया. जिसमें एमराल्ड हाईट्स ट्राई बेकर मे 5-4 से विजय रहा. दूसरा सेमी फाइनल डेली कॉलेज स्कूल विरुद् शिशुकुंज (जहालरिया) के मध्य खेला गया जिसमें डेली कॉलेज 1-0 से विजय रहा व फाइनल मैच एमराल्ड हाईट्स विरुद् डेली कॉलेज स्कूल के मध्य खेला गया जिसमें एमराल्ड हाईट्स 2-0 से विजय रहा. अतिथि के रूप मे सुनील अवस्थी, घनश्याम करौले, हेमंत पवार, अकतर खान, स्कूल खेल अधिकारी भावेश बुंदेला व मैच निर्णायक की भूमिका शरद सिल्वाट, अजय यादव, शिव कुमार चौहान (बाबा), प्रद्युम्न वर्मा, अंकुश कौशल, राहुल शर्मा व मैच कमिश्नर लोकेंद्र वर्मा जी उपस्थित थे. संचालन आशीष सेन व आभार आनंद सुनानिया ने माना.

पौधा रोपण व विधि जागरूकता शिविर

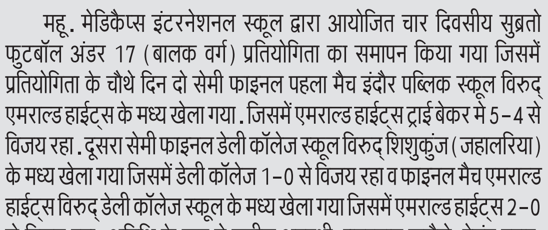

महू. अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर एवं डॉ प्रीति श्रीवास्तव अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति डॉ अंबेडकर नगर जिला इंदौर के मार्गदर्शन में थाना सिमरोल एवं स्टूडेंट आइडियल एकेडमी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. न्यायाधीश गण दीर्घा एरन एवं श्री निलेश मूलत: कर द्वारा थाना सिमरोल में पौधारोपण किया गया. उसके बाद थाना सिमरोल में थाना प्रभारी एवं कर्मचारी गणों के बीच नई धाराओं और कानून के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई. इसके बाद स्टूडेंट आइडियल एकेडमी डाटोदा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया. आयोजित शिविर में निलेश मूलत: कर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा छात्राओं को साइबर क्राइम से अवगत कराते हुए कहा गया कि यदि आपके मोबाइल में कोई ऐसी लिंक आती है जिससे आप अनजान हैं तो उसे लिंक को ना खोले. दीघा आयरन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा लोगों को यातायात के नियमों से अवगत कराते हुए कहा कि जब तक वह 18 वर्ष के नहीं हो जाते तब तक वह वहां ना चलाएं. न्यायाधीश दीघा हिरण द्वारा छात्राओं को पोक्सो एक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई.

तेज रफ्तार कार ट्राले में घुसी, दो की मौत

- तेजाजी नगर ब्रिज के पास हुआ हादसा, तीन छात्र घायल

इंदौर. शहर में तेज रफ्तार एक बार फिर मौत का कारण बन गई. बीती रात तेजाजी नगर ब्रिज के समीप हुए एक भीषण सड़क हादसे में पांच दोस्तों की कार एक खड़े ट्राले से जा टकराई. हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए और दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए.

हादसे में ध्रूव पाटीदार और धीरज पटेल दोनों निवासी मंडलेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई. कार में सवार उनके तीन अन्य दोस्त हेमंत पाटीदार, आदित्य पाटीदार और यशराज पटेल घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए तत्काल अस्पताल भेजा गया है. तेजाजी नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सभी युवक शहर के अलग-अलग कॉलेजों में पढ़ाई करते हैं और रेडियो कॉलोनी में किराए से रहकर पढ़ाई कर रहे थे. देर रात ये पांचों दोस्त कार से घूमने निकले थे, तभी तेजाजी नगर ब्रिज के पास सामने खड़े ट्राले में कार सीधे जा घुसी. टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाला. दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है, वहीं घायलों का किया जा रहा है. मामले में पुलिस जांच कर रही है.

हथियारों के साथ रील बनाकर डालते थे सोशल मीडिया पर

- पुलिस ने चाकूबाज गैंग को किया गिरफ्तार, छह चाकू जब्त
- दो बालिग आरोपी सहित चार नाबालिग हिरासत में

इंदौर. शहर में अपराध और सोशल मीडिया पर हथियार लहराकर दहशत फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है. कनाडिया पुलिस ने चाकूबाजों की एक गैंग को गिरफ्तार कर छह अवैध चाकुओं के साथ दबोचा है. पकड़े गए आरोपियों में दो बालिग व चार नाबालिग शामिल हैं, जो सोशल मीडिया पर धारदार चाकू लहराते हुए रील बनाकर अपलोड किया करते थे.

कनाडिया पुलिस को सूचना मिली कि चोर बावड़ी रोड पर कुछ संदिग्ध युवक भीड़ लगाए खड़े हैं. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने तुरंत अपने मार्गदर्शन में एक टीम बनाकर उसे तत्काल उन्हें घेराबंदी करने के आदेश दिए. इस पर टीम को मौके से दो बालिग व चार विधि खिलाफ बालकों को पकड़ा गया, जिनके पास से चार तड़तड़िया चाकू, एक खटकेदार चाकू और एक खंजरनुमा चाकू जब्त किए.

हथियारों का प्रदर्शन करते थे

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी गांधी नगर थाना क्षेत्र के निवासी हैं और सोशल मीडिया व गैंगस्टर संस्कृति से प्रभावित होकर रील बनाने के लिए बायपास क्षेत्र में एकत्र होते थे. सभी आपस में दोस्त हैं और रील बनाते वक्त हथियारों का प्रदर्शन करते थे. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कनाडिया थाने में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.

परीक्षा केंद्र से चोरी का चंद घंटों में पर्दाफाश

पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

इंदौर. संयोगितागंज पुलिस ने एक परीक्षा केंद्र से कंप्यूटर उपकरण चोरी के मामले में महज कुछ घंटों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने दोनों आरोपियों से करीब 2.48 लाख मूल्य का माल भी जब्त किया है.

डीसीपी जोन-3 हंसराज सिंह व एडीसीपी रामसनेही मिश्रा के मार्गदर्शन और एसीपी संयोगितागंज तुषार सिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी सतीश कुमार पटेल व टीम ने त्वरित कार्रवाई की. 30 जून को चंदन रघुवंशी उम्र 37, निवासी पावनधाम कॉलोनी, निपानिया ने थाना संयोगितागंज में रिपोर्ट दर्ज कराई कि मसीह कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, इंदौर में स्थित परीक्षा केंद्र से कई सीपीयू, मॉनिटर और हार्डडिस्क चोरी हो गए हैं. परीक्षा केंद्र पर विभिन्न सरकारी विभागों की ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित होती हैं. शुरुआती जांच में संदेह केंद्र पर कार्यरत कर्मचारी नितेश साहू 26, निवासी विराट नगर मूसाखेड़ी पर गया. पूछताछ में उसने चोरी से इनकार किया, लेकिन बाद में मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर वह टूट गया और जुर्म कबूल कर लिया. नितेश ने बताया कि उसने चोरी किए उपकरणों में से कुछ को अपने साथी जावेद खान 34, निवासी प्रिंस कॉलोनी, खजराना को बेच दिया था. पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है.

दो घंटे में सात गाड़ियां चोरी

- दो कॉलोनियों में बाइक चोर गैंग का आतंक
- साकेतधाम और शांति नगर में पुलिस गश्त नदारद, आक्रोशित हुए रहवासी

इंदौर. शहर में सक्रिय बाइक चोर गैंग ने एक बार फिर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है. एरोड्रम थाना क्षेत्र की दो कॉलोनियों साकेतधाम और शांति नगर में सोमवार देर रात सिर्फ दो घंटे के भीतर सात बाइकें चुराकर चोर फरार हो गए. पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद है, जिसमें चोर स्टाइल से हैंडल लॉक तोड़ते और सेकंडों में बाइक स्टार्ट कर ले जाते दिखे.

यह वारदात रात करीब दो बजे से सुबह चार बजे के बीच की बताई जा रही है. इस दौरान दो बाइक पर सवार चोर गिरोह ने पहले साकेतधाम कॉलोनी में और फिर शांति नगर में एक के बाद एक सात बाइकें चुरा लीं. खास बात यह रही कि वारदात के दौरान इन कॉलोनियों में एक बार भी पुलिस की गश्त नहीं पहुंची. दो घंटे तक चोर बेखौफ घूमते रहे और वाहन उड़ाते रहे. रहवासियों ने मंगलवार सुबह एरोड्रम थाने पहुंचकर नाराजगी जताते हुए चोरी की शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने केवल आवेदन लेकर लोगों को लौटा दिया. जिन गाड़ियों की चोरी की पुष्टि हुई है, उनमें एमपी-09 डीके 9733 बबीता कपूर, एमपी-09 डीक्यू 0546 राहुल गोस्वामी, एमपी-09 झेडजी 8986 किशन कादरी और एमपी-09 बीसी 8960 शामिल हैं. तीन अन्य बाइकों के नंबर फिलहाल स्पष्ट नहीं हैं. इनमें से कुछ बाइकें महंगे स्पोर्ट्स मॉडल की भी बताई जा रही हैं. लगातार हो रही इस तरह की वारदातों से क्षेत्रीय रहवासी भयभीत हैं और पुलिस की निष्क्रियता पर नाराजगी जता रहे हैं.

सीसीटीवी फुटेज से तलाश रहे आरोपी- वहीं मामले में एरोड्रम थाना प्रभारी वरुण सिंह भाटी का कहना है कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है, जल्द ही सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे. यह कहना गलत हैं कि क्षेत्र में पुलिस गश्त नहीं करती.

दलित मजदूर का शव रोकने पर अस्पताल में हंगामा

- सी-3 हॉस्पिटल पर एक लाख की वसूली का आरोप
- पुलिस पहुंची तो दिया शव

इंदौर. अदालत और सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शहर के निजी अस्पतालों द्वारा बकाया राशि के नाम पर शवों को रोकने की घटनाएं थम नहीं रही हैं. एबी रोड स्थित सी-3 अस्पताल ने एक दलित मजदूर के शव को बकाया रकम के चलते दो दिनों तक रोके रखा. मामला तब तूल पकड़ गया जब बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दलित नेता अपने साथियों के साथ अस्पताल पहुंचे और घेराव कर शव को तत्काल परिजनों को सौंपने की मांग की.

संजय गांधी नगर में रहने वाले जगदीश भालेराव नामक दलित मजदूर को हार्ट की बीमारी के चलते बीते पांच दिनों से अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने शव देने के एवज में परिजनों से एक लाख रुपए की मांग की. परिजनों के पास राशि नहीं होने पर शव दो दिन तक अस्पताल में ही रोके रखा. जब इस बात की सूचना दलित नेता मनोज परमार को मिली तो वे अपने साथियों के साथ सी-3 अस्पताल पहुंच गए और उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को कोर्ट के आदेश और सरकारी गाइडलाइन का हवाला देते हुए विरोध शुरू कर दिया. इस दौरान धरना, नारेबाजी और हंगामा भी हुआ. सूचना मिलने पर विजय नगर पुलिस भी मौके पर पहुंची. मामले में मनोज परमार का कहना है कि अस्पताल की यह कार्रवाई न केवल अमानवीय है, बल्कि कानून का भी उल्लंघन है. उन्होंने मौके पर पुलिस अधिकारियों से अस्पताल प्रबंधन पर शव को बंधक बनाने और वसूली की धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की मांग की. हंगामे के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया. इस दौरान परिजनों द्वारा जमा की गई 20 हजार रुपए की रकम भी परमार ने परिजनों को वापस दिलवाई. मामले दलित नेता मनोज परमार का कहना है कि कफन की कीमत भी अब बोली में तय होने लगी, अस्पताल की दीवारों पे इंसानियत रोने लगी.

कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत पर कलेक्टर ने लगाया रासुका

18 आपराधिक मामलों में नामजद, लव जिहाद की फंडिंग का भी आरोप

इंदौर. कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई की गई है. कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने यह सख्त कदम उठाते हुए रासुका के तहत निरुद्ध करने के आदेश जारी किए हैं.

अनवर कादरी निवासी 44 सदर बाजार के खिलाफ इंदौर के विभिन्न थानों में अब तक 18 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं. हाल ही में उस पर लव जिहाद के एक मामले में फंडिंग करने का गंभीर आरोप भी सामने आया था. एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही कादरी फरार है. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 10,000 का इनाम घोषित किया है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ा क्यों न हो.

सड़क हादसे में घायल ज्वेलर की मौत

वाहन का गेट अचानक खुलने पर एक्टिवा से गिरकर सिर में लगी थी चोट

इंदौर. खातीपुरा क्षेत्र में बीते सप्ताह हुए एक सड़क हादसे में घायल हुए युवा ज्वेलर की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई. हादसा उस समय हुआ जब वॉटर सप्लाय करने वाले लोडिंग वाहन के हेल्पर ने चलते वाहन से अचानक गेट खोल दिया, जो एक्टिवा सवार ज्वेलर्स को सीधा टकरा गया था. टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर पड़े और सिर में गंभीर चोट लगी थी.

मृतक की पहचान 26 वर्षीय रजनीकांत पिता सदाशिव काटकर निवासी नंदानगर के रूप में हुई है. वह महाराष्ट्रीयन ज्वेलर्स नाम से दुकान चलाते थे. 26 जून की दोपहर वे ज्वेलरी रखने की डिब्बियां लेने रानीपुरा इलाके जा रहे थे, तभी खातीपुरा क्षेत्र में सामने से आ रहे लोडिंग वाहन नम्बर एमपी 09 एलआर 5962 के हेल्पर ने अचानक सड़क की दिशा में गेट खोल दिया, जिससे वह उसकी चपेट में आ गए. टक्कर लगते ही रजनीकांत एक्टिवा से संतुलन खो बैठे और गिरने के दौरान सड़क किनारे पड़े एक पत्थर से सिर टकरा गया. हादसे के बाद वाहन चालक और एक युवक उन्हें तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, इलाज के दौरान मंगलवार सुबह उनकी मौत हो गई. मेहनती और शांत स्वभाव के थे*- परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि रजनीकांत अपने माता-पिता, पत्नी और पांच साल की बेटी के साथ रहते थे. उनकी पत्नी इस समय गर्भवती है। बेटे की असमय मौत से परिवार में गहरा शोक है. भाई रमाकांत काटकर ने बताया कि रजनीकांत बेहद मेहनती और शांत स्वभाव के थे. उनकी असावधानी से हुई मौत ने पूरे परिवार को तोड़ दिया है. वहीं कोतवाली थाना प्रभारी रविन्द्र पारासर का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है.

परेशानी | निम्न और मध्यम वर्ग को लोग परेशान

सिलेबस बदलने से पालक नई किताबें खरीदने को मजबूर

इंदौर. राज्य और केंद्र शासन का दोहरा रूप आज भी कायम है. शासन द्वारा एक तरफ शिक्षा को बढ़ावा देने और सहयोग के बड़े वादे किए जाते है वहीं दूसरी तरफ निजी स्कूलों द्वारा की जा रही खुली लूट पर जानबूझ कर नज़र अंदाज़ कर दिया जाता है. ऐसे में निम्न वर्ग को बच्चों की शिक्षा के लिए कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

आम जनता और समाजसेवियों द्वारा लाख विरोध के बावजूद आज भी निजी स्कूल अपनी कमीशन खोरी बंद नहीं कर रहे. वही शासन-प्रशासन भी लापरवाह बन चुका है. शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है. स्टेशनरी की छोटी-बड़ी दुकानों पर पालकों की भीड़ भी बढ़ चुकी है और हमेशा की तरह इस बार भी बच्चों के सिलेबस इसलिए बदल दिए गए है ताकि बच्चे किसी दूसरे से सेकेंड हैंड कोर्स नहीं खरीद सकें और पालकों को नए सिलेबस को खरीदना मजबूरी बन जाता है. इसके चलते दुकानदार अच्छी खासी उगाई करता है, जिसका एक बड़ा हिस्सा स्कूल संचालकों को भी जाता है. यानी कुल मिलाकर पालकों की जेब पर डाका वर्ष भी डल रहा है. जबकि दो वर्ष पहले ही जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने शिक्षा को लेकर कई आदेश दिए थे जो अब शासन और प्रशासन द्वारा खुद ही ठंडे बस्ते में रखवा दिए गए हैं.

इनका कहना है ...

अपने बच्चे को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए पालकगण हर मुमकिन कोशिशे और कुर्बानियां देते हैं. राज्य शासन को कठोर निर्णय लेते हुए शिक्षा में फैले भ्रष्टाचार को ख़त्म करना चाहिए. हर घर शिक्षित हो.

- शादाब खान

जहां शिक्षा पर जोर सिर्फ नारों में दिया जाता है वहीं जमीनी हकीकत तो यह है कि हर तरफ लूट खसूट मची है. कमीशन खोरी चरम पर है जिस पर कोई लगाम नहीं है.

- सूरज माली

उपभोक्ताओं के लिए पूरी तरह से यह छलावा है. हजारों रूपयों के कोर्स पूरी मोनोपोली वाले होते हैं, जो दूसरी स्टेशनरी शॉप पर नहीं मिलते. शासन सख्त नियम बनवाए और सख्ती से पालन करवाए.

- चैन सिंह ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष जागरूक उपभोक्ता समिति